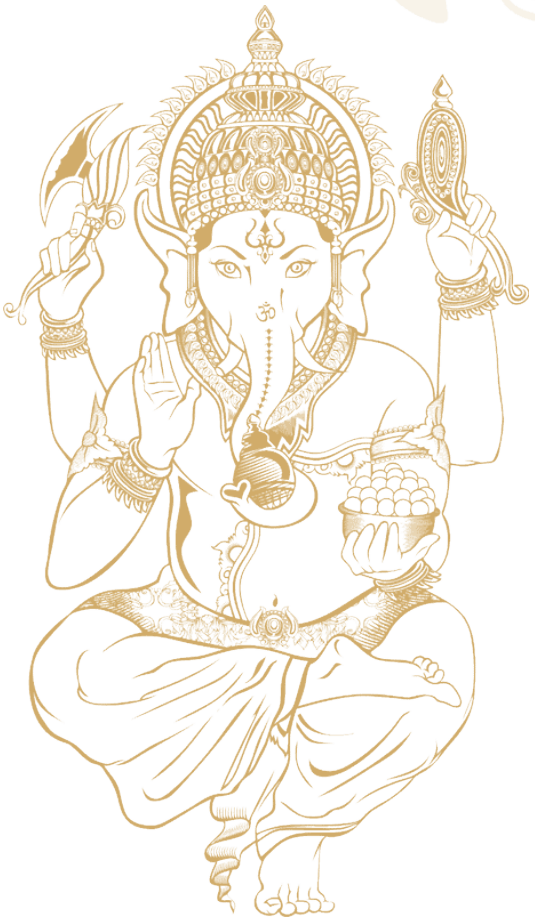

Mr.

31 Mar 2026

01:29 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121770307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:29:00 घंटे**
इष्ट	18:10:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	01:42:43 घंटे
सूर्योदय	06:12:50 घंटे
सूर्यास्त	18:38:20 घंटे
दिनमान	12:25:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:23:31 मीन
लग्न के अंश	10:04:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	10:04:48	306:48:00	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मीन	16:23:31	00:59:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	25:39:45	12:56:53	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	28:22:14	00:46:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:55:13	00:48:30	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:30:45	00:03:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	06:35:40	01:13:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:14:21	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:33:41	00:01:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:33:41	00:01:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:30:24	00:02:35	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:57:13	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:58:48	00:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	03:25:56	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

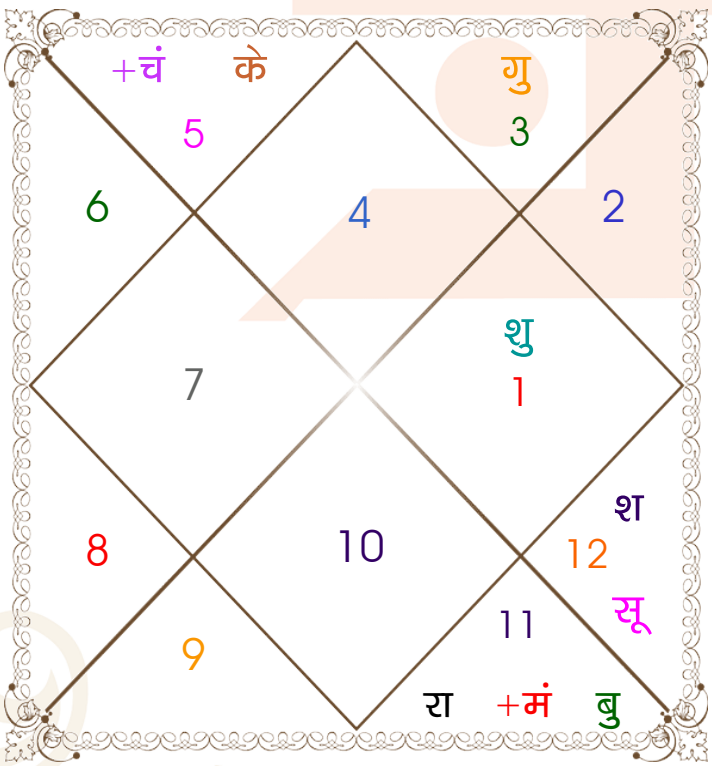

चन्द्र कुंडली

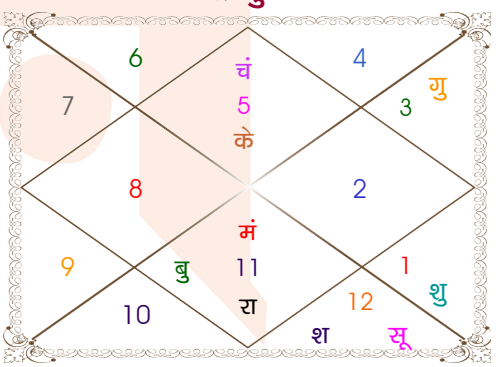

नवमांश कुंडली

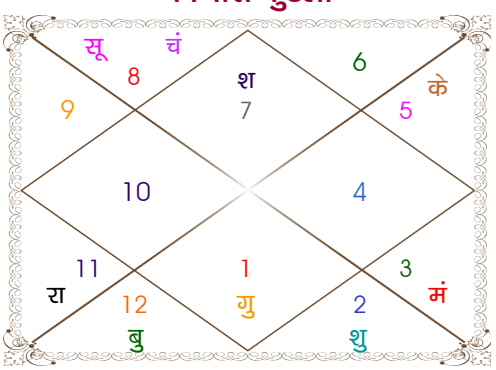

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 6 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/03/2026		02/10/2027		02/10/2033		02/10/2043		02/10/2050	
02/10/2027		02/10/2033		02/10/2043		02/10/2050		02/10/2068	
	00/00/0000	सूर्य	20/01/2028	चंद्र	02/08/2034	मंगल	28/02/2044	राहु	14/06/2053
	00/00/0000	चंद्र	20/07/2028	मंगल	03/03/2035	राहु	18/03/2045	गुरु	08/11/2055
	00/00/0000	मंगल	25/11/2028	राहु	01/09/2036	गुरु	22/02/2046	शनि	14/09/2058
	00/00/0000	राहु	20/10/2029	गुरु	01/01/2038	शनि	03/04/2047	बुध	02/04/2061
	00/00/0000	गुरु	08/08/2030	शनि	02/08/2039	बुध	30/03/2048	केतु	21/04/2062
	00/00/0000	शनि	21/07/2031	बुध	01/01/2041	केतु	26/08/2048	शुक्र	20/04/2065
	31/03/2026	बुध	27/05/2032	केतु	02/08/2041	शुक्र	26/10/2049	सूर्य	15/03/2066
बुध	02/08/2026	केतु	02/10/2032	शुक्र	03/04/2043	सूर्य	03/03/2050	चंद्र	14/09/2067
केतु	02/10/2027	शुक्र	02/10/2033	सूर्य	02/10/2043	चंद्र	02/10/2050	मंगल	02/10/2068

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/10/2068		02/10/2084		03/10/2103		03/10/2120		03/10/2127	
02/10/2084		03/10/2103		03/10/2120		03/10/2127		00/00/0000	
गुरु	20/11/2070	शनि	05/10/2087	बुध	01/03/2106	केतु	01/03/2121	शुक्र	02/02/2131
शनि	02/06/2073	बुध	14/06/2090	केतु	26/02/2107	शुक्र	01/05/2122	सूर्य	02/02/2132
बुध	08/09/2075	केतु	24/07/2091	शुक्र	27/12/2109	सूर्य	06/09/2122	चंद्र	03/10/2133
केतु	14/08/2076	शुक्र	23/09/2094	सूर्य	02/11/2110	चंद्र	07/04/2123	मंगल	03/12/2134
शुक्र	15/04/2079	सूर्य	05/09/2095	चंद्र	03/04/2112	मंगल	03/09/2123	राहु	03/12/2137
सूर्य	01/02/2080	चंद्र	05/04/2097	मंगल	31/03/2113	राहु	20/09/2124	गुरु	03/08/2140
चंद्र	02/06/2081	मंगल	15/05/2098	राहु	18/10/2115	गुरु	27/08/2125	शनि	03/10/2143
मंगल	09/05/2082	राहु	22/03/2101	गुरु	23/01/2118	शनि	06/10/2126	बुध	01/04/2146
राहु	02/10/2084	गुरु	03/10/2103	शनि	03/10/2120	बुध	03/10/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।